



सत्यमेव जयते
Ministry of Ayush
Government of India



MDNIY

E-NEWSLETTER

AUGUST 2024

www.yogamdniy.nic.in



प्रधान संपादक की कलम से

संपादकीय टीम

प्रधान संपादक

डॉ. काशीनाथ समगंडी

निदेशक, मो.दे.रा.यो.सं.

प्रबंध संपादक

मो. तैयब आलम

संचार एवं प्रलेखन अधिकारी

संपादक

सौदामिनी सिंह

वरिष्ठ सलाहकार (मीडिया)

संतोष सिंह

सलाहकार (मीडिया)

शिवाली खारी


सलाहकार (सोशल मीडिया)

डिजाइन

निहाल हसनैन

कनिष्ठ सलाहकार (डिजाइनर)

ताज़ा जानकारी के लिए जुड़े:

 @mdniyayush

 @mdniyyoga

 @mdniy

 @mdniyyoga

योग ऐतिहासिक रूप से भारत में शुरू हुआ, लेकिन साल दर साल शीर्ष नेतृत्व के प्रयासों से अब यह दुनिया भर में लोकप्रिय हो गया है। इसकी लोकप्रियता बढ़ने के साथ ही योग की विश्व स्तरीय शिक्षा देने की जिम्मेदारी भी अहम हो गई है, जिसे मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (मो.दे.रा.यो.सं.) पूरी जिम्मेदारी के साथ निभा रहा है। मो.दे.रा.यो.सं. ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छात्रों को पारंपरिक और वैज्ञानिक आधारों पर योग का ज्ञान देने और इस विषय को समग्रता के साथ समझाने के लिए अथक प्रयास किए हैं।



प्रधान संपादक

डॉ. काशीनाथ समगंडी

निदेशक, मो.दे.रा.यो.सं.

मो.दे.रा.यो.सं. के योग पाठ्यक्रम में योगासन, प्राणायाम और ध्यान आदि की शिक्षा के साथ भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत की झलक मिलती है। इसे प्रामाणिकता देने के लिए वैज्ञानिक आधारों पर भी परखा गया है।

संस्थान के पाठ्यक्रम को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह योग के सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों पक्षों से छात्रों को रूबरू करा सके, ताकि वे योग का दर्शन और इसके मनोवैज्ञानिक पक्ष को भलीभांति समझ सकें। इससे छात्र इस विषय को गहराई से समझने और इस ज्ञान को आधुनिक दौर में बेहतर तरीके से उपयोग में सक्षम होते हैं।

आज के दौर में जब तनाव और दयनीय जीवनशैली से होने वाली स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ती जा रही हैं, योग के द्वारा संपूर्ण जीवन को बेहतर बनाया जा सकता है। अनुशासन और सीखने के लिए उत्कृष्ट वातावरण देने के साथ हम छात्रों को समुदायों का नेतृत्व करने योग्य बनाते हैं। संस्थान में विश्व स्तरीय मापदंडों का ध्यान रखते हुए छात्रों को आसन और प्राणायाम आदि योग से संबंध ज्ञान सिखाने के साथ समाज को प्रेरित करने योग्य बनाया जाता है।

मेरा मानना है कि छात्रों को शॉर्टकट के बजाय अपने मूल्यों, नैतिकता और ईमानदारी की नींव पर सफलता हासिल करने का प्रयास करना चाहिए। शिक्षा के उच्च मापदंडों को बनाए रखने के प्रति हमारा समर्पण ही हमें निरंतर प्रेरित करता है। हम अपने विस्तृत पाठ्यक्रम और रोचक शिक्षण विधियों के द्वारा सुनिश्चित करते हैं ताकि छात्र न केवल अकादमिक रूप से तैयार हों, बल्कि आत्म जागरूकता का भाव रखने के साथ सामुदायिक कल्याण के लिए भी कार्य कर सकें।



From the Desk of Editor-in-Chief

Editorial Team

Editor-in-Chief

Dr. Kashinath Samagandi
Director, MDNIY

Managing Editor

Md. Taiyab Alam
Communication &
Documentation Officer

Editor

Saudamini Singh
Senior Consultant (Media)

Santosh Singh
Consultant (Media)

Shiwali Khari
Consultant (Social Media)

Design by

Nihal Hasnain
Junior Consultant (Designer)

Catch the latest updates:

 @mdniyayush

 @mdniyyoga

 @mdniy

 @mdniyyoga

Yoga, historically rooted in India, has gained worldwide popularity over the years due to the relentless efforts of the Nation's leadership. With its rising popularity comes the crucial responsibility of providing quality Yoga education, which Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY) is diligently fulfilling. MDNIY tirelessly works to provide a classical Yoga along with scientifically rooted understanding of it to students at both, national and international levels, encompassing the discipline's full spectrum.

The Yoga curriculum at MDNIY offers an insight into comprehensive education in Yogasana, pranayama, meditation, and allied practices. Stringently validated through scientific research to ensure its authenticity, this curriculum seamlessly integrates theoretical foundations of Yoga with practical applications. The program fosters a deep understanding of Yoga philosophy and its psychological dimensions, culminating in a holistic grasp of the subject. By adopting a dual approach, MDNIY empowers students to effectively apply their knowledge in contemporary contexts.

In today's fast-paced world, where stress and lifestyle-related health concerns are escalating, Yoga provides a transformative solution for enhancing overall well-being. MDNIY, a leading centre for Yoga excellence, addresses this by providing a nurturing environment, empowering students to become leaders in their communities.

At MDNIY, we believe that students should strive for success on the foundation of strong values, ethics, and integrity applying no shortcuts. Our unwavering dedication to upholding exceptional educational standards drives us forward. Through a rigorous and well-rounded curriculum, coupled with engaging teaching methodologies, we empower our students to excel academically and cultivate self-awareness, enabling them to make meaningful contributions to the greater good.



Editor-in-Chief
Dr. Kashinath Samagandi
Director, MDNIY

मो.दे.रा.यो.सं. ने 6-दिवसीय सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम का किया आयोजन

मो.दे.रा.यो.सं., आयुष मंत्रालय ने 19 से 24 अगस्त 2024 तक आयुष शिक्षकों, डॉक्टरों और वैज्ञानिकों के लिए एक छह दिवसीय सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम का आयोजन किया। योग और संबंधित विज्ञानों में ज्ञान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में देशभर से आए जाने-माने विशेषज्ञों ने भाग लिया और अपने बहुमूल्य विचार दर्शकों के साथ साझा किए।

MDNIY organises 6-day CME program for advanced Yoga learning

MDNIY organised 6-day Continuing Medical Education (CME) program from August 19 to 24, 2024 for Ayush teachers, doctors, and scientists. With 30 participants selected nationwide, the event aimed to enhance knowledge in Yoga and allied sciences. The event was graced by eminent experts across India, who graciously shared their valuable insights with audience.

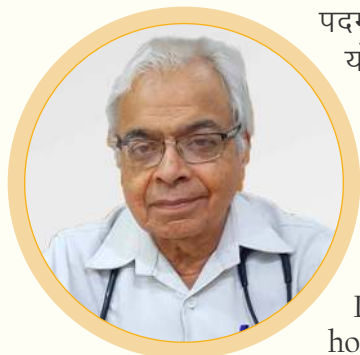


डॉ. काशीनाथ समगंडी, निदेशक, मो.दे.रा.यो.सं. ने योग के लाभों को पूर्ण रूप से प्राप्त करने के लिए, आयुर्वेद के सिद्धांतों को अपनाने पर जोर देते हुए कहा, "प्रत्येक व्यक्ति को अपनी प्रकृति समझनी चाहिए। अग्नि (पाचन शक्ति) और प्यास पर ध्यान देते हुए, आहार (खानपान) में समायोजन करना संतुलन प्राप्त करने की कुंजी है। यह समग्र दृष्टिकोण उपचार और समग्र कल्याण को प्रोत्साहित करता है।"

Dr. Kashinath Samagandi, Director, MDNIY thrusting upon aligning with the principles of Ayurveda said, "One must begin with understanding one's Prakruti (constitution). Monitoring Agni (digestive fire) and thirst, and adjusting Ahara (diet) accordingly, is key to achieving balance. This holistic approach fosters deeper healing and overall well-being."

डॉ. के.के. दीपक, विजिटिंग प्रोफेसर, सेंटर फॉर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग (सीबीएमई), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), नई दिल्ली, ने योग के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देने पर बल देते हुए कहा, "योग और संबद्ध विज्ञान में कौशल विकास बहुत जरूरी है और उचित शोध पद्धतियों के बिना योग के वास्तविक प्रभाव को प्रमाणित नहीं किया जा सकता।"

Dr. K.K. Deepak, Visiting Professor, Centre for Biomedical Engineering (CBME), Indian Institute of Technology (IIT), New Delhi, emphasising on the need of research in Yoga said, "Upskilling in Yoga and allied science is crucial, and without proper research methodologies, the true impact of Yoga cannot be evidenced."



पदम श्री डॉ. एस. सी. मनचंदा, वरिष्ठ सलाहकार, सर गंगा राम अस्पताल ने दैनिक जीवन में योग को अपनाने पर बल देते हुए कहा, "योग एक लाइफस्टाइल पॉलीपिल के रूप में कार्य करता है, जो तनाव, आहार, व्यायाम और तंबाकू के दुष्प्रभाव से आपको बचाता है। यह हृदय रोग की रोकथाम और प्रबंधन के लिए एक समग्र दृष्टिकोण है।"

Highlighting the importance of adapting Yogic Lifestyle Padam Shri Dr. S. C. Manchanda, Senior consultant, Sir Ganga Ram Hospital said, "Yoga acts as a Lifestyle Polypill addressing stress, diet, exercise, and tobacco avoidance. It's a holistic approach for preventing and managing heart diseases."

राघवेंद्र राव, निदेशक, सीसीआरवाईएन, नई दिल्ली, ने विषय जलवायु वाले वातावरण के लिए विशेष योग अभ्यासक्रम अपनाने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "अत्यधिक विषम जलवायु परिस्थितियों में, विशेष योग अभ्यासक्रम, विशेष रूप से धीमी और गहरी श्वास, फेफड़ों की क्षमता और शारीरिक अनुकूलन में सुधार करते हैं।"

Raghavendra Rao, Director, Central Council for Research in Yoga & Naturopathy, New Delhi, while reiterating the need to practice Yoga in extreme climatic conditions said, "Extreme climatic conditions need special Yoga protocols including slow and deep breathing, and asanas designed for improving lung capacity and physiological adaptation."



डॉ. नीतिनाकुमार जे पाटिल, सह आचार्य, सीआईएमआर (योग), मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "योग इस डिजिटल युग में हमारे मन के लिए ब्रेक का काम करता है। रोज़ाना सिर्फ 15-20 मिनट प्राणायाम और ध्यान, तनाव को कम कर सकते हैं और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार ला सकते हैं।"

Dr. Neetinakumar J. Patil, Associate Professor, CIMR(Yoga), Manipal Academy of Higher Education, underlining the importance of adapting Yoga in day-to-day life said, "Yoga serves as a brake on our minds in this fast-paced digital age, slowing us down, relaxing our thoughts, and enabling us to do things in a better way. Regular practice of Pranayama and meditation for 15 to 20 minutes can reduce stress and improve mental health."

डॉ. अर्पण भट्ट, प्रमुख, स्वास्थ्यवृत्त विभाग, गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय ने ध्वनि के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "प्रणव जप और भ्रामरी प्राणायाम के द्वारा ध्वनि तरंगों का शक्तिशाली तरीके से उपयोग किया जा सकता है। ये मन को शांत करने और उपचार को बढ़ावा देने में सहायक हैं।"

Dr. Arpan Bhatt, HoD of Swasthavrutta, Gujarat Ayurved University, emphasising the importance of sound said: "Pranav Japa and Bhramari Pranayama are powerful tools that harness sound vibrations to calm the mind and promote healing."



डॉ. अमृता पेन, सहायक आचार्य, मनोविज्ञान विभाग, आईएचबीएस, नई दिल्ली, ने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रखने हेतु उपायों पर चर्चा करते हुए कहा, "योगाभ्यास करने वाले लोग ट्रान्सिडेंटल मेडिटेशन या माइंडफुलनेस का अभ्यास करने वालों की तुलना में मानसिक रूप से ज्यादा स्वस्थ रहते हैं। मानसिक स्वास्थ्य के खतरे को जल्दी पहचानना ज़रूरी है।"

Dr. Amrita Pain, Asst. Prof. Institute of Human Behaviour and Allied Sciences, New Delhi, while discussing various practices to boost mental health, said, "Core Yoga practitioners show better mental health outcomes compared to those practicing Transcendental Meditation or Mindfulness. It's essential to recognise mental health red flags early."

डॉ. आर.के. धमीजा, निदेशक, आईबीएचएस, ने योग से जुड़े पारंपरिक ज्ञान को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझने के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, "योग के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण समाज के लिए बहुत लाभकारी हो सकता है। कोविड-19 महामारी के दौरान मो.दे.रा.यो.सं. के फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं पर शोध के प्रभाव को व्यापक रूप से सराहा गया है।"

Dr. R.K. Dhamija, Director, IHBAS, stressing upon the need to develop a scientific approach towards Yoga said, "A scientific approach to Yoga can bring immense benefits to the society. Research work done by MDNIY during the COVID-19 pandemic has been widely appreciated for its impact on frontline workers."



डॉ. ईश्वर वी. बसवरड्डी, पूर्व निदेशक, मो.दे.रा.यो.सं., ने जीवन में योग को अपनाने से होने वाले लाभों पर चर्चा करते हुए कहा, "वास्तविक कल्याण रोग-मुक्ति से कहीं व्यापक है; इसमें शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य शामिल है। संतुलन प्राप्त के लिए, हमें चक्र अवरोधों को दूर करना चाहिए और जीवन के सभी पहलुओं का पोषण करना चाहिए।"

Dr. Ishwar V. Basavaraddi, Former Director, MDNIY, while discussing various benefits of adopting Yoga in life said, "True well-being goes beyond disease-free; it encompasses physical, mental, and social health. To achieve balance, we must address chakra blockages and nurture all aspects of life."

मो.दे.रा.यो.सं. के संचार एवं प्रलेखन अधिकारी, उप निदेशक (प्रभारी) मो. तैयब आलम ने स्वागत संबोधन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मो.दे.रा.यो.सं., के निदेशक डॉ. काशीनाथ समगंडी का 'योग और आहार' पर प्रेरणादायक सत्र, कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण था, जिसमें समग्र स्वास्थ्य पर जोर दिया गया और योग के लाभ पाने के लिए आयुर्वेद के सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

सीएमई में आए विशेषज्ञों ने मानसिक स्वास्थ्य, मधुमेह, हृदय संबंधी देखभाल और अन्य विषयों पर चर्चा की। सत्रों में विषम जलवायु में योग के अनुप्रयोग, बाल चिकित्सा और योग अनुसंधान के क्षेत्र में नये शोधों पर भी चर्चा की गई।

समारोह का समापन एक एक भव्य कार्यक्रम के साथ हुआ, जहां मुख्य अतिथि डॉ. आर.के. धमीजा ने मो.दे.रा.यो.सं. के प्रयासों की सराहना की और प्रतिभागियों को सीएमई कार्यक्रम से अर्जित ज्ञान को अपने व्यवहारिक जीवन में लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए, जो भारत में योग शिक्षा और अभ्यास को बढ़ावा देने में कार्यक्रम की सफलता को दर्शाता है।

इस आयोजन का उद्देश्य देश भर से चयनित 30 प्रतिभागियों के बीच योग और उससे संबंधित विज्ञानों को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. एस. लक्ष्मी कांधन, सहायक आचार्य (योग चिकित्सा), डॉ. खुशबू जैन, सहायक आचार्य (बायोकेमिस्ट्री), और डॉ. डी. एलांचेजियान, परियोजना समन्वयक, डब्ल्यूएचओ-सीसी द्वारा किया गया।

Md. Taiyab Alam, Communication & Documentation officer and Deputy Director (I/c), MDNIY, delivered the keynote address, setting the tone for the event.

The key highlight of the event was Dr. Kashinath Samagandi, Director, MDNIY led engaging session on 'Yoga and Ahara' which inspired the participants to apply the principles of Ayurveda in their diet to maximise the benefits of Yoga.

The distinguished experts emphasised the integration of Yoga into modern healthcare, focusing on mental health, diabetes, cardiac care, and more. Sessions also covered Yoga's application in extreme climates, paediatric care, and recent trends in Yoga research.

The program concluded with a Valedictory Session, where Chief Guest Dr. Dhamija hailed MDNIY's efforts and encouraged participants to apply the newly acquired knowledge from CME program in their practices. Participants received certificates, marking the program's success in advancing Yoga education and practice in India.

The program was well-coordinated by Dr. S. Lakshmi Kandhan, Assistant Professor (Yoga Therapy), Dr. Khushbu Jain, Assistant Professor (Biochemistry), and Dr. D. Elanchezian, Project Coordinator, WHO-CC.

Glimpses of CME Program



मो.दे.रा.यो.सं. ने धूमधाम से मनाया 78वां स्वतंत्रता दिवस

78वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर मो.दे.रा.यो.सं. के प्रांगण में ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के निदेशक डॉ. काशीनाथ समगंडी ने अपने कर-कमलों से ध्वजारोहण किया।

अपने सम्बोधन के दौरान निदेशक ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि हमारे पूर्वजों ने अपने जीवन का बलिदान देकर यह आजादी रूपी तोहफा हासिल किया है। इसलिए हमें इसे हाल में सुरक्षित रखना है। सीएपीएफ के जवानों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा आप फौजी हैं और मनमौजी भी, इसलिए हमें आप पर गर्व है।

ध्वजारोहण के पश्चात संस्थान में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों ने अपने नृत्य, गीत और संगीत के माध्यम से समां बांध दिया।

इस दौरान मो. तैयब आलम, उप निदेशक (प्रभारी), संचार एवं प्रलेखन अधिकारी तथा डॉ. आई. एन. आचार्य, कार्यक्रम अधिकारी (योग चिकित्सा) सहित संस्थान के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की भी उपस्थिति देखी गई।

MDNIY celebrates 78th Independence Day with fervour

On the auspicious occasion of 78th Independence Day, Dr. Kashinath Samgandi, Director, MDNIY hoisted the National Flag in the premises of the Institute.

Extending his wishes to everyone, Dr. Samgandi said "Our freedom fighters have achieved this gift of freedom by sacrificing their lives. Therefore, our duty is to keep it safe in the present." Hailing the role of Central Armed Police Force (CAPF) personnel, he said, "You all are warriors with free spirit. We are immensely proud of you, not just for your courage, but for the depth of your heart."

After the flag hoisting, a cultural program was also organised in the Institute, in which the CAPF students enthralled the audience with their dance performance.

During the celebration, all the Officers and employees of the Institute including Md. Taiyab Alam, C&DO and DD (I/c), and Dr. I.N. Acharya, Program Officer (Yoga Therapy) were also present.



निदेशक, मो.दे.रा.यो.सं. ने बैंकॉक वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा कार्यक्रम में की शिरकत

मो.दे.रा.यो.सं. के निदेशक, डॉ. काशीनाथ समगंडी ने 20-22 अगस्त, 2024 को बैंकॉक में आयोजित 3 दिवसीय डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय परामर्श बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। बैठक में वैश्विक रणनीति के विकास और डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के लिए अनुसंधान प्राथमिकताएं निर्धारित करके पारंपरिक चिकित्सा के भविष्य को आकार देने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

एनसीआईएसएम के अध्यक्ष वैद्य जयंत देवपुजारी के नेतृत्व में भारत के प्रतिनिधिमंडल में मो.दे.रा.यो.सं. के निदेशक डॉ. काशीनाथ समगंडी; सीसीआरएस के महानिदेशक प्रो. रबिनारायण आचार्य और आयुर्वेद, आयुष मंत्रालय के अनुसंधान अधिकारी डॉ. अश्विन चंद्रा शामिल थे।

Director MDNIY participates at 'Global Traditional Medicine Strategy' at Bangkok

Director, MDNIY participated at 3-day 'WHO South-East Asia Regional Consultation' in Bangkok, Thailand from August 20 to 22, 2024. The meeting focussed on shaping the future of traditional medicine through the development of global strategy & setting research priorities for WHO South-East Asia region.

Indian delegation, led by Vaidya Jayant Deopujari, Chairperson, National Commission for Indian System of Medicine (NCISM), included Dr. Kashinath Samagandi; Director, MDNIY; Prof. Rabinarayan Acharya, DG, Central Council for Research in Ayurvedic Sciences (CCRAS); and Dr. Ashwin Chandra, Research Officer, Ayurveda, Ministry of Ayush.



डी.पी.एस. गाजियाबाद के छात्रों ने मो.दे.रा.यो.सं. में किया योगाभ्यास

दिल्ली पब्लिक स्कूल, गाजियाबाद के स्कूली छात्र-छात्राओं के 83 सदस्यीय एक समूह ने 8 अगस्त, 2024 को मो.दे.रा.यो.सं. का दौरा किया और योगाभ्यास का आनंद लिया।

योग चिकित्सक, सुश्री मधु खुराना ने योग सत्र का नेतृत्व किया और सुश्री मनजोत कौर, आहार विशेषज्ञ ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

डॉ. काशीनाथ समगंडी, निदेशक, मो.दे.रा.यो.सं. ने स्कूली बच्चों के साथ सार्थक संवाद स्थापित करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और जीवन में योग की महत्ता को रेखांकित किया। निदेशक ने बच्चों को नैतिकता की सीख देते हुए कहा कि राम और रावण दोनों ही परम शक्तिशाली और ज्ञानी थे, लेकिन सदाचरण के कारण ही राम 'आदर्श' के रूप में स्थापित हो सके।



DPS Ghaziabad students explore Yoga at MDNIY

A group of 83 students from Delhi Public School (DPS), Ghaziabad, Uttar Pradesh visited the MDNIY to gain the knowledge of Yoga on August 8, 2024.

Director, MDNIY, interacted with the students, emphasising the significance of Yoga in daily life.

He drew a thought-provoking analogy between Ram and Ravan, illustrating how Yoga teaches us to balance our inner 'Ram' (positive energies) and 'Ravan' (negative tendencies), cultivating self-awareness, discipline, and compassion, just as Ram's virtuous conduct established him as an ideal figure.

The students enthusiastically engaged in a Yoga practice session and learnt about its benefits. The session was led by Yoga Therapist Ms. Madhu Khurana and coordinated by Dietician Ms. Manjot Kaur.

भारतीय प्रवासियों के एक प्रतिनिधि मंडल ने मो.दे.रा.यो.सं. में किया योगाभ्यास



भारतीय प्रवासियों के 36 युवा पेशेवरों के एक प्रतिनिधि मंडल ने सात अलग-अलग देशों का प्रतिनिधित्व करते हुए 20 अगस्त, 2024 को 'भारत को जानो कार्यक्रम' के 76वें संस्करण में मो.दे.रा.यो.सं. का दौरा किया। इस पहल का उद्देश्य प्रतिभागियों को अपनी सांस्कृतिक विरासत से फिर से जुड़ने और योग के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी हासिल करने में मदद करना है।

संचार एवं प्रलेखन अधिकारी, उप निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) मो. तैयब आलम ने प्रतिनिधि मंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया, और उसे संस्थान के विविध कार्यक्रमों और गतिविधियों से रूबरू कराया। इस यात्रा का मुख्य आकर्षण मो.दे.रा.यो.सं. की योग चिकित्सक सुश्री मधु खुराना के नेतृत्व में एक सामान्य योग अभ्यासक्रम सत्र था, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक योग अभ्यास किया।

अपनी यात्रा के दौरान, प्रतिनिधि मंडल को योग के विभिन्न पहलुओं का ज्ञान और संस्थान की अत्याधुनिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के बारे में जानने का अवसर मिला।

कार्यक्रम का समन्वय मो.दे.रा.यो.सं. की आहार विशेषज्ञ सुश्री मनजोत कौर ने किया। इस यात्रा को प्रतिभागियों से अत्यधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिससे वैश्विक स्तर पर योग की सार्वभौमिक अपील को बल मिला।

Exploring Roots: Indian diaspora group visits MDNIY for Yoga insights

A delegation of 36 young professionals from the Indian diaspora, representing seven different countries, visited MDNIY on August 20, 2024 as part of the 76th edition of 'Know India Program.' KIP aims to reconnect participants with India's cultural heritage with a special focus on Yoga.

The delegation received a warm welcome by C& DO and DD (I/c), who provided an overview of the Institute's diverse programs and activities. The key highlight of the day was a Common Yoga Protocol (CYP) session led by Ms. Madhu Khurana, Yoga Therapist, MDNIY, to engage the delegation members in the practical aspect of Yoga.

During this visit, the delegation had the opportunity to explore different facets of Yoga and experience the Institute's state-of-the-art facilities and infrastructure.

The program was coordinated by Ms. Manjot Kaur, Dietician at MDNIY. The initiative received an overwhelmingly positive response from the participants, further highlighting Yoga's profound impact on a universal scale.



महत्वपूर्ण उपलब्धि: मो.दे.रा.यो.सं. ने एक ही दिन में 3 समझौता ज्ञापनों पर किया हस्ताक्षर

मो.दे.रा.यो.सं., आयुष मंत्रालय ने गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के साथ एक ही दिन में तीन समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।

पहला समझौता ज्ञापन मो.दे.रा.यो.सं. के निदेशक डॉ. काशीनाथ समगंडी और गार्गी कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. संगीता भाटिया की मौजूदगी में हस्ताक्षरित किया गया। इसका उद्देश्य फाउंडेशन कोर्स, प्रोटोकॉल इंस्ट्रक्टर कोर्स (सीसीवाईपीआई), वेलनेस इंस्ट्रक्टर कोर्स (सीसीवाई डब्ल्यूआई) जैसे सर्टिफिकेशन कोर्स शुरू करना, छात्राओं में पेशेवर योग्यता विकसित करना और महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से विशेष रूप से महिलाओं के लिए पूर्णकालिक डिप्लोमा कोर्स शुरू करने की संभावना तलाशना है।

मो.दे.रा.यो.सं. ने दो अन्य महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए। इन समझौतों का उद्देश्य एनएसजी और सीआईएसएफ के लिए नियमित योग प्रशिक्षण कार्यक्रम और संबंधित गतिविधियों का संचालन करना है।

दूसरा समझौता हरियाणा के गुड़गांव के मानेसर में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) प्रशिक्षण केंद्र के साथ किया गया, जिस पर मो.दे.रा.यो.सं. के निदेशक डॉ. काशीनाथ समगंडी और एनएसजी मुख्यालय के डीआईजी (ऑपरेशन एंड ट्रेनिंग) ब्रिगेडियर शंकर जी तिवारी ने हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही, तीसरा समझौता ज्ञापन सीआईएसएफ की आईजी (आरएंडटी) शिखा गुप्ता की उपस्थिति में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) प्रशिक्षण केंद्र के साथ हुआ।

इन समझौतों के तहत सेना के जवानों पर योग के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए विशेष योग प्रोटोकॉल, कार्यशालाएं, सम्मेलन और अनुसंधान गतिविधियों का आयोजन करना शामिल है। यह भारत के सुरक्षा बलों के कल्याण हेतु उठाए गए कदमों में महत्वपूर्ण है, जो निश्चित रूप से उनकी परिचालन प्रभावशीलता और व्यक्तिगत कल्याण को बढ़ाता है।

इस मौके पर मो.दे.रा.यो.सं. के कार्यक्रम अधिकारी (योग चिकित्सा); संचार एवं प्रलेखन अधिकारी; सहायक आचार्य (मानव शरीर रचना) सोबिका राव और एनएसजी और सीआईएसएफ के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

MDNIY achieves milestone, inks 3 MoUs in single day

The MDNIY achieved a significant milestone by signing three Memorandums of Understanding (MoUs) in a single day with Gargi College, University of Delhi; National Security Guard (NSG), and the Central Industrial Security Force (CISF).

The first MoU was signed in the presence Director MDNIY, and Prof. Sangeeta Bhatia, Principal of Gargi College. It aims to introduce certification courses such as, Foundation course, Protocol Instructor course (CCYPI), Wellness Instructor course (CCYWI) and others for developing professional competency among girl students. The MoU also explores the possibility of starting a full-time Diploma course exclusively for women for the purpose of women empowerment.

The second agreement was inked between Director MDNIY and Brig. Shankar Ji Tiwari, DIG (Ops. & Trg.), HQ NSG. Simultaneously, the third MoU was signed with Ms. Shikha Gupta, IG (R&T) of CISF.

The collaborations initiated through the other two MoUs aim to conduct regular Yoga training programs and related activities for NSG and CISF personnel.

The scope of these agreements includes organising specialised Yoga protocols, workshops, conferences, and research activities to study the impact of Yoga on Army personnel. This marks a significant step towards integrating Yoga into the wellness regimens of Indian security forces, potentially enhancing their operational effectiveness and personal well-being.

PO (YT); C& DO and DD (I/c); Ms. Sobika Rao, Assistant Professor, (Human Anatomy), along with other Officers of NSG & CISF also attended the ceremony.



योग और विज्ञान पर मो.दे.रा.यो.सं. का मासिक अभिविन्यास व्याख्यान



मो.दे.रा.यो.सं. ने "योग और विज्ञान: अध्ययन डिजाइन और न्यूरोफिनोमेनोलॉजी का परिचय" विषय पर 30 अगस्त, 2024 को मासिक अभिविन्यास व्याख्यान आयोजित किया, जिसमें राष्ट्रीय संसाधन केंद्र (एनआरसीवीईई) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के पूर्व प्रमुख एवं कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. राहुल गर्ग ने शिरकत की।

अपनी व्यावहारिक प्रस्तुति के दौरान, प्रो. गर्ग ने योग के क्षेत्र में नए ज्ञान के सृजन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने योग में व्यवस्थित अध्ययन और शोध की आवश्यकता पर जोर दिया, इस बात पर प्रकाश डाला कि इसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से कैसे देखा जा सकता है। व्याख्यान में विभिन्न शोध विचारों और पारंपरिक योग परम्पराओं और आधुनिक वैज्ञानिक प्रतिमानों के बीच की खाई को पाटने के तरीकों पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मो.दे.रा.यो.सं. के कार्यक्रम अधिकारी (वाईटी) ने की। मो.दे.रा.यो.सं. की सहायक आचार्य (अंग्रेजी) डॉ. सुमन राठौर ने स्वागत भाषण और धन्यवाद ज्ञापन दिया।

इस आकर्षक सत्र ने प्रतिभागियों को योग और आधुनिक विज्ञान के बीच संबंध के बारे में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की, तथा योग अध्ययन के लिए गहन और साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया।

MDNIY conducts monthly educational lecture on Yoga & Science

MDNIY conducted a monthly orientation lecture on 'Yoga and Science: An Introduction to Study Design and Neurophenomenology' by Prof. Rahul Garg from the Department of Computer Science and Engineering, Indian Institute of Technology (IIT), Delhi and former head of the National Resource Center for Value Education in Engineering (NRCVVE) at IIT Delhi, on August 30, 2024.

During his insightful presentation, Prof. Garg emphasised the importance of creating new knowledge in the field of Yoga. He stressed the need for systematic study and research in Yoga, highlighting how it can be approached from a scientific perspective. The lecture explored various research ideas and ways to bridge the gap between traditional Yoga practices and modern scientific paradigms.

The program was presided over by PO (YT), MDNIY. Dr. Suman Rathore, Assistant Professor (English), MDNIY, delivered the welcome address and vote of thanks.

This engaging session provided participants with valuable insights into the intersection of Yoga and modern science, encouraging a more rigorous and evidence-based approach to Yoga studies.



मो.दे.रा.यो.सं. ने हैदराबाद आयुर्वेद पर्व में दी प्रस्तुति

आयुष मंत्रालय और पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा संयुक्त रूप से हैदराबाद आयुर्वेद पर्व, 1-3 अगस्त, 2024 तक एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद में आयोजित किया गया।

मो.दे.रा.यो.सं. के छात्रों ने 1 अगस्त, 2024 को हैदराबाद आयुर्वेद पर्व के उद्घाटन समारोह के दौरान योग फ्यूजन कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

योग मुद्राओं के मंत्रमुग्ध कर देने वाले प्रदर्शन के अलावा, योग फ्यूजन ने लोगों का मन मोह लिया। विशेषज्ञों के नेतृत्व वाले योग थेरेपी सत्रों ने शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण के लिए व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान किया। इसके अतिरिक्त, योग परामर्श सेवाओं से भी लोग लाभान्वित हुए। योग प्रदर्शनों के पूरक के रूप में, आईएमई सामग्री प्रदर्शित की गई।

MDNIY showcases Yoga excellence at Hyderabad Ayurveda Parv

Hyderabad Ayurveda Parv was organised at the Administrative Staff College of India in Hyderabad from August 1-3, 2024, by the Ministry of Ayush, Government of India in collaboration with the PHD Chamber of Commerce and Industry.

The students of MDNIY presented the Yoga Fusion program, during the inauguration ceremony of the fair.

Beyond the mesmerising display of Yoga poses, Yoga Fusion offered a holistic experience. Expert-led Yoga Therapy sessions provided personalised guidance for physical, mental, and spiritual well-being. Additionally, Yoga consultancy services offered tailored advice, helping individuals harness Yoga's potential to enhance their lifestyle. IEC materials were exhibited at the display.



मो.दे.रा.यो.सं. ने पोर्ट ब्लेयर में योग तकनीकी सत्र का नेतृत्व किया

डॉ. एस. लक्ष्मी कांधन, सहायक आचार्य (योग चिकित्सा), मो.दे.रा.यो.सं. ने पोर्ट ब्लेयर में टैगोर गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन (टीजीसीई) में 'पार्किंसंस रोग, मिर्गी और ऑटिज्म में योग चिकित्सा की भूमिका' पर एक तकनीकी सत्र का नेतृत्व किया।

यह सत्र 22 से 23 अगस्त, 2024 तक पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 'मानसिक विकारों के लिए योग चिकित्सा में उन्नति' पर 2 दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का एक हिस्सा था।

इस कार्यक्रम का आयोजन अंडमान और निकोबार राज्य आयुष सोसायटी द्वारा स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, अंडमान और निकोबार प्रशासन के सहयोग से किया गया।



MDNIY leads technical session on Yoga in Port Blair

Dr. S. Lakshmi Kandhan, Assistant Professor (Yoga Therapy), MDNIY led a technical session on the 'Role of Yoga Therapy in Parkinson's Disease, Epilepsy, and Autism' at Tagore Government College of Education (TGCE) in Port Blair.

This session was a part of 2-days State-level workshop on 'Advancement in Yoga Therapy for Neurological Disorders' was held from Aug 22 to 23, 2024 at Port Blair, Andaman & Nicobar Islands.

The event was organised by Andaman & Nicobar State Ayush Society in collaboration with the Directorate of Health Services, A&N Administration.

मो.दे.रा.यो.सं. ने छात्रों के उत्साहवर्धन के लिए कार्यशाला का किया आयोजन



मो.दे.रा.यो.सं. के प्रेक्षागृह में 24 अगस्त, 2024 को फाउंडेशन कोर्स इन योगा साइंस फॉर वैलनेस (एफसीवाई एससीडब्ल्यू) के ऑफलाइन, ऑनलाइन एवं षट्कर्म अभ्यास में छात्र-छात्राओं के संयुक्त ज्ञानवर्धन और उत्साहवर्धन के लिये एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में वक्ता के रूप में संस्थान के निदेशक डॉ. काशीनाथ समगंडी ने शिरकत की और "योग में आहार का महत्व" विषय पर अपने सारगर्भित व्याख्यान में बताया कि हमारे जीवन पर आहार का जबरदस्त प्रभाव पड़ता है। संतुलित आहार आपके शरीर पर सकारात्मक और असंतुलित आहार नकारात्मक प्रभाव डालता है। जब तक आहार पर आपका नियंत्रण नहीं होगा, तब तक शरीर और मस्तिष्क पर आपका नियंत्रण नहीं हो सकता। साथ ही साथ, उन्होंने व्यावहारिक जीवन में योग की महत्ता और उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग मन और शरीर से जुड़ी हुई वह जीवन पद्धति जिसे महसूस करने की आवश्यकता है।

दलीप कुमार, एफसीवाईएससीडब्ल्यू पाठ्यक्रम के प्रभारी ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

योग प्रशिक्षक सोनू रानी के नेतृत्व में साप्ताहिक आयोजित सामान्य योग अभ्यासक्रम, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराया गया। षट्कर्म अभ्यास के दौरान योग प्रशिक्षक साहिल खोखर, कर्मवीर आर्य, नील कमल, खूशबू शर्मा, और किरण शर्मा की उपस्थिति देखी गई।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और अपने सुखद अनुभव भी साझा किए।

MDNIY empowers students with capacity-building workshop

A capacity-building workshop was organised on Aug 24, 2024 at MDNIY, aiming to enlighten and motivate students of the Foundation Course in Yoga Science for Wellness (FCYScW) and Basic Course in Shatkarma Practices (BCSP).

Director, MDNIY, delivered an enlightening lecture on the 'Importance of Diet in Yoga' during the workshop. In his address, he emphasised diet plays a crucial role in our overall well-being. A balanced diet positively influences the body, while an unbalanced diet can have detrimental effects. He asserted that managing one's diet is essential for mastering both physical and mental well-being. Dr. Samgandi also underscored the significance and practical benefits of Yoga, describing it as a holistic way of life that integrates the mind and body, and must be truly experienced to be understood.

The overall coordination of the workshop was managed by Dalip Kumar, In-charge of FCYScW.

Yoga Instructor Sonu Rani led the students through CYP, Pranayama and meditation session. Yoga Instructors Sahil Khokhar, Karamveer Arya, Neel Kamal, Khushboo Sharma, and Kiran Sharma were present during the Shatkarma practice session.

The event saw enthusiastic participation from a large number of students. The program concluded with participants sharing their heartwarming experiences.



गुरु-शिष्य की जोड़ी ने मो.दे.रा.यो.सं. को किया गौरवान्वित

मो.दे.रा.यो.सं. के लिए यह गर्व का क्षण है कि मो.दे.रा.यो.सं. के छात्र अर्श जैन ने 03-04 अगस्त, 2024 को नई दिल्ली के उत्तर पश्चिम जिले के जिला योगासन खेल संघ की एक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक और मो.दे.रा.यो.सं. के योग प्रशिक्षक अर्जुन नायडू ने सीनियर-ए वर्ग में रजत पदक जीता।

इससे भी अधिक प्रेरणादायक बात यह है कि अर्श को उनके शिक्षक अर्जुन नायडू ने मार्गदर्शन दिया और इस गुरु-शिष्य की जोड़ी ने साथ-साथ पुरस्कार जीतकर नई उपलब्धि हासिल की।



Guru-Shishya Duo brings laurels for MDNIY

MDNIY celebrates double triumph in Traditional Yoga Event at the District Yogasana Sports Association Competition, North West District, New Delhi where our student, Arsh Jain, won Gold in the Senior Category and his teacher, Arjun Naidu, a Yoga Instructor at MDNIY, secured Silver in the Senior-A Category on August 3-4, 2024.

What's even more inspiring is that Arsh was guided by Sh. Naidu, making it a wonderful Guru-Shishya duo achievement.

अनुसंधान: बेहतर स्वास्थ्य के लिए सांस लें

नई दिल्ली स्थित एम्स में फिजियोलॉजी के प्रो. और एचओडी डॉ. के. के. दीपक के नेतृत्व में किए गए शोध में प्राणायाम के शक्तिशाली लाभों का पता चला है। अध्ययनों से पता चलता है कि धीमी गति से सांस लेने से हृदय की लय और रक्तचाप के बीच तालमेल बेहतर होता है, जबकि धीमी और तेज, दोनों तरह की प्राणायाम तकनीकें मानसिक कार्य को बढ़ावा देती हैं।

यह अभ्यास उच्च रक्तचाप और तनाव को कम करने, याददाश्त, एकाग्रता और समस्या-समाधान कौशल को बढ़ाने तथा चिंता, अवसाद आदि को प्रबंधित करने में भी मदद करता है।

पूरा शोध पढ़ने के लिए, यहाँ क्लिक करें—

<https://www.employmentnews.gov.in/.../MoreContentNew.aspx>

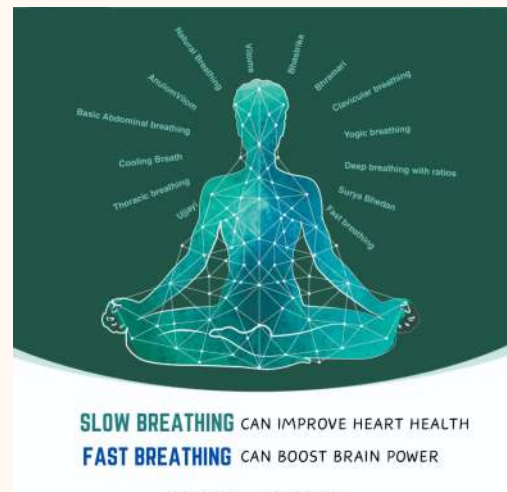
Research: Breathe your way to better health

Research led by Dr. K. K. Deepak, Professor and HoD (Physiology) at AIIMS, New Delhi, reveals powerful benefits of Pranayama, an ancient breathing practice. According to the studies, slow breathing improves synchronization between heart rhythm and blood pressure, while both slow and fast pranayama techniques augment mental function.

This practice has been found to reduce hypertension and stress; enhance memory, concentration, and problem-solving skills, and help manage anxiety and depression.

Click here to read full research-

<https://www.employmentnews.gov.in/.../MoreContentNew.aspx>



MEDIA COVERAGE

MDNIY Advancing Academic and Therapeutic Excellence in Yoga with Continuing Medical Education program

MDNIY (Morarji Desai National Institute of Yoga) is organizing a 6-day Continuing Medical Education (CME) program for Ayush teachers, doctors, and scientists from August 19, 2024 to 24, 2024. The program is designed to enhance and upgrade the participants' academic and therapeutic expertise in Yoga across philosophical, scientific, and practical dimensions. The program of this 6-day program is to encompass & enhance the academic & therapeutic knowledge of the participants.

Dr. Kashinath Samagandi, Director, MDNIY, is an address focused upon the significance of the Continuing Medical Education program by stating, "This initiative sponsored by Ministry of Ayush, supported by Madhya Pradesh Yojanash, is aimed at enhancing the capacity of Ayush doctors to incorporate Yoga into their standard medical practice." Dr. Kashinath further highlighted, "The Ministry's Continued Medical Education (CME) program is specifically designed to equip Ayush doctors with evidence-based knowledge to seamlessly integrate Yoga into their day-to-day practice."

During the inaugural session, Dr. K.A. Dheep, visiting Professor, Centre for Biomedical Engineering (CBME) emphasized the program's significance, describing it as a platform for "Upgrading in Yoga and allied sciences." He said, "Without proper research contributions, the profound impact of Yoga on human life cannot be adequately explained." Dr. Dheep conveyed the manifestation of research progress in diagnostic sciences in the ongoing efforts of the Ministry of Ayush, particularly through initiatives like the Ayurveda scheme, to integrate research methodologies in Ayush sciences. This alignment is aimed at developing an evidence-based practice that scientifically substantiates the effectiveness and safety of Yoga practices.

THE TIMES OF INDIA
02-08-2024

MDNIY holds a special lecture on yoga and diet

Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY) recently organised a special lecture on the significance of yoga and aahaar (diet).
Dr. Kashinath Samagandi, Director, MDNIY,

extended a warm welcome to Prof. Kamlesh Kumar Sharma, former professor at National Institute of Ayurveda (NIA), Jaipur, who was invited to deliver the lecture. Prof

Hindustan Times
FIRST VOREAST WORLD
18-08-2024

The Morarji Desai National Institute of Yoga, Ministry of Ayush achieved a significant milestone by signing three Memorandums of Understanding (MoUs) in a single day with Gargi College, University of Delhi, National Security Guard (NSG), and the Central Industrial Security Force (CISF).

BHASKAR LIVE
bhaskarlive.in

MDNIY organises medical education programme to boost therapeutic knowledge of yoga

New Delhi, Aug 20 (IANS) Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY) is organising a continuing medical education (CME) programme for Ayush teachers, doctors, and scientists, to boost the therapeutic knowledge of yoga, Ayush Ministry said on Tuesday.

हिन्दुस्तान
19-08-2024

आयुष्य क्षेत्र में मानकीकरण के लिए समितियों बनीं

नई दिल्ली। आयुष्य क्षेत्र में मानकीकरण के लिए समितियों की नियुक्ति का कार्यक्रम आयुष्य विभाग में आयोजित हुआ।

FUSION WORLD
August 2024 | Volume 3 | Issue 4 | page 4 | R.58

“Yoga in our lives cannot be overstated” - Dr. Kashinath Samagandi, Director, MDNIY

Yoga is a multifaceted practice that offers profound benefits for the mind, body and spirit. It is a powerful tool for managing stress, enhancing physical fitness, and promoting spiritual growth. By engaging Yoga into our lives, we can achieve a state of balance, peace and well-being, enhancing our overall quality of life.

MDNIY Director, Dr. Kashinath Samagandi, Director, MDNIY, is a seasoned practitioner who has spent years studying and practicing Yoga. He has authored several books and articles on the subject, and has been instrumental in the development of the Morarji Desai National Institute of Yoga. Dr. Kashinath emphasized that Yoga is not just a physical practice, but a holistic approach to life. He stated that Yoga offers a holistic approach to health and well-being, addressing the physical, mental, and spiritual aspects of the human body. He emphasized that Yoga offers a holistic approach to health and well-being, addressing the physical, mental, and spiritual aspects of the human body. He emphasized that Yoga offers a holistic approach to health and well-being, addressing the physical, mental, and spiritual aspects of the human body.

ET Government.com
From The Economic Times

MDNIY conducts 6-day CME program to advance academic, therapeutic excellence in Yoga

This program is designed to enhance and upgrade the participants' academic and therapeutic expertise in Yoga across philosophical, scientific, and practical dimensions.

The Indian EXPRESS
18-08-2024

MORARJI DESAI NATIONAL YOGA INSTITUTE: On the auspicious occasion of 78th Independence Day, a flag hoisting program was organized in the premises of Morarji Desai National Yoga Institute. Wherein the Director of the Institute, Dr. Kashinath Samagandi, hoisted the flag. During his address, the Director congratulated everyone on Independence Day and said, "our ancestors have achieved this gift of freedom by sacrificing their lives. Therefore, we have to keep it safe in the present." After the flag hoisting, a cultural program was also organized, in which the jawans of the CAFF set the stage on fire with their dance, song and music.

TIMES NOW नवभारत

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने गार्गी कॉलेज, NSG और CISF के साथ किए समझौते, महिला सशक्तिकरण पर फोकस

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने गार्गी कॉलेज, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और सेंट्रल औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के साथ तीन समझौते का हस्ताक्षर किया। इस समझौते का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना और योग के माध्यम से स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है।

नवसत्ता

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करके महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की

नई दिल्ली। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने गार्गी कॉलेज, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और सेंट्रल औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के साथ तीन समझौते का हस्ताक्षर किया। इस समझौते का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना और योग के माध्यम से स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है।

RTV NEWS NETWORK

MDNIY अद्यतन 6 रोज़ापाठ के दिवस में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए

Published on August 19, 2024 4:31 pm by sstivias

अद्यतन 19 से 24 तक 6 रोज़ापाठ के दिवस में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना और योग के माध्यम से स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है।

shiksha

Search Colleges, Courses, Exa

MBA ENGINEERING

MDNIY Organises Continuing Medical Education Programme for Excellence in Yoga

MDNIY organises six days continuing medical education programme to enhance the participant's academic and therapeutic expertise in yoga across philosophical, scientific, and practical dimensions.



LOKMAT TIMES

Marathi | Hindi

MDNIY organises medical education programme to boost therapeutic knowledge of yoga

New Delhi, Aug 20 (ANI): Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY) is organising a continuing medical education (CME) programme.



ET Government.com

From The Economic Times

MDNIY signs 3 MoUs to promote Yoga across diverse sectors

The scope of these agreements includes organising specialized Yoga protocols, workshops, conferences, and research activities to study the impact of Yoga on unformed personnel.



UNI यूनीवार्ता

Monday, Sep 2, 2024 | Time 13:55 (MSK07)

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने किये तीन समझौता शायपनों पर हस्ताक्षर

नयी दिल्ली 14 अगस्त (एनडीएन-एनडीएन) ने बुधवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के नयी कॉलेज, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के साथ तीन अलग-अलग समझौता शायपनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये।



AYUSH

MDNIY marks significant milestone by signing three MoUs

The first MoU was signed between MDNIY and Gargi College, University of Delhi, National Security Guard (NSG), and the Central Industrial Security Force (CISF).



Devdiscourse

MDNIY Hosts Six-Day Continuing Medical Education Program

The program is designed to enhance and upgrade participants' academic and therapeutic expertise in Yoga, integrating philosophical, scientific, and practical dimensions.



daijiworld.com

A portal linking the West Coast of India and the World

MDNIY organises medical education programme to boost therapeutic knowledge of yoga

New Delhi, Aug 20 (IANS): Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY) is organising a continuing medical education (CME) programme for Ayush teachers, doctors, and scientists, to boost the therapeutic knowledge of yoga, Ayush Ministry said on Tuesday.



THE NEWS HASHTAG

Morarji Desai National Institute Of Yoga Signs Landmark MoUs With Gargi College, NSG, And CISF



Health Spectrum

HEALTH AWARENESS INITIATIVES

योग के क्षेत्र में अकादमिक और चिकित्सीय उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान का कार्यक्रम

नई दिल्ली। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के तहत कार्यरत मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान में 19 से 24 अगस्त के दौरान आयुष शिक्षकों (सहायक आचार्य और उसके ऊपर), डॉक्टरों और वैज्ञानिकों के लिए छह दिवसीय सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दार्शनिक, वैज्ञानिक और व्यावहारिक आयामों में योग में प्रतिभागियों की अकादमिक और चिकित्सीय विशेषज्ञता को बढ़ाने और उत्तर देने के लिए बनाया गया है।



Devdiscourse

BPR&D and Morarji Desai National Institute Yoga enter into MoU

Shri P.N. Ranjit Kumar, Joint Secretary, Ministry of AYUSH, Govt. of India explained the importance of Yoga in the day-to-day life of the personnel.

